



## नदी का सफ़र

किसी भी नदी की शुरुआत ऊँचे स्थानों या पहाड़ों से होती है। नदी में पानी झरने से, झील से, बारिश से या फिर हिम के पिघलने से आता है।

जहाँ से नदी की शुरुआत होती है उस जगह को नदी का 'उद्गम' कहते हैं।

कई धाराएँ आकर नदी में मिलती हैं।

पहाड़ी क्षेत्र में ढाल अधिक होने के कारण नदी का बहाव तेज़ होता है जिससे नदी गहरी घाटी (V आकार की घाटी) बनाती है।

कई सारी छोटी नदियाँ मुख्य नदी में मिलती हैं तथा उसे बड़ी नदी बनाती हैं। इन छोटी नदियों को मुख्य नदी की सहायक नदियाँ कहते हैं।

मछुआरे और सैलानी नदी के किनारे मछलियाँ पकड़ते हैं।

नदी पत्थर-चट्टानों से टकराकर और तेज़ बहती है।

नदी जब ऊँचाई से गिरती है तो जलप्रपात बनता है।

पानी यहाँ से ढाल के साथ नीचे की ओर बहता है। नदी की शुरुआत एक पतली धारा के रूप में होती है आगे चलकर यही धारा गहरी और चौड़ी हो जाती है और एक नदी का रूप ले लेती है। यहाँ एक नदी का सफ़र दिखाया गया है। तुम्हारे आस-पास भी कोई नदी होगी? उसके बारे में तुम क्या-क्या जानते हो?

वह स्थान जहाँ नदी समुद्र में मिलती है उसे नदी का मुहाना कहते हैं।

नदी अपने साथ खूब सारी रेत और मिट्टी लाती है।

नदी समुद्र में मिलने से पहले अपनी रेत और मिट्टी समुद्री किनारे पर छोड़ जाती है।

जब कम ढाल होने के कारण बहाव बहुत ही कम हो जाता है तो नदी घुमावदार रास्ते बनाती है जिसे नदी विसर्प (मिण्डर) कहते हैं।

नदी यहाँ गहरी और चौड़ी है।